

Course :

Paper : - VI

Topic : - Freudian Psychology,
(Psychoanalysis)

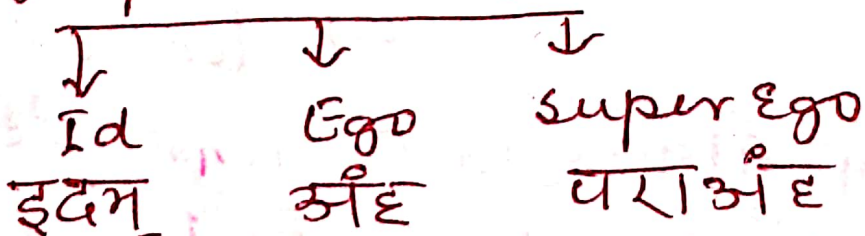
Prepared by : Prof (Dr) Kamal Varma, Co-Ordinator, U.P., Psychology, N.O.U.

सिगमंड फ्रायड (1856-1938) इन्होंने मनो विज्ञान के क्षेत्र में निम्न लिखित योगदान दिए, मनो विश्लेषण के सिद्धान्त एक आधारभूत सिद्धांत है,

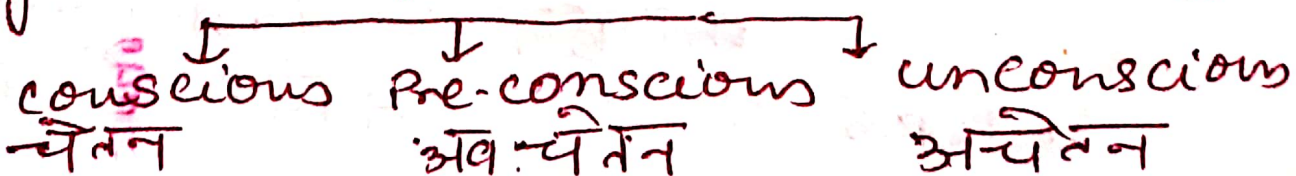
फ्रायड ने मानसिक जीवन का वर्णन करते हुए चेतना (consciousness) और तंत्रिका तंत्र (Nervous system) को प्रमुख स्थान दिया, मानसिक संरचना को (Mental structure) को दो भागों में बांटा है

i) Topographical aspect
ii) dynamic aspect

i) Topographical aspect (आकारात्मक पहलू)



ii) Dynamic aspect (गत्यात्मक पहलू)



इसका सम्बन्ध व्यक्ति के प्रारम्भ में जन्म से दो वर्षों (0-2 years) तक होता है, इसका सम्बन्ध अचेतन मस्तिष्क से होता है, यह सुख की कामना करता है। (Based upon pleasure principle)

फ्रायड ने एक नए प्रत्यय (concept) का Libido (लिबिडो) को जन्म दिया, इसका सम्बन्ध व्यक्ति के कामुकता (Sex) से होता है, बाद में फ्रायड ने Libido को एक energy (ऊर्जा प्रवाह) के रूप में बताया, जिसमें कामुकता भी एक प्रवाह है।

लिबिडो का प्रवाह दो दिशाओं में होता है - अन्दर की ओर एवं बाहर की ओर। जब इसका प्रवाह अन्दर की ओर होता है तो उसे स्व-काम (Narcissism) और जब बाहर की ओर होता है तो उसे सामाजिकरण (socialization) कहते हैं।

फ्रायड ने वृत्तियों (instincts) का भी उल्लेख किया है →

Life Instinct (जीवन वृत्ति)

death instinct (मृत्यु वृत्ति)

इसमें जीवन वृत्ति सनातनक होती है तथा मृत्यु वृत्ति विध्वंसक होती है।

फ्रायड ने अचेतन (unconscious) मस्तिष्क पर बड़ा बल दिया है क्योंकि वहाँ

वहाँ भी कई प्रकार की महत्वपूर्ण मानसिक प्रक्रियाएँ होती हैं। (जैसे - व्यक्ति का नाम भूलना, स्वप्न (dreams) अचेतन मन की इच्छाएँ, संसार की वजह से चैतन में नहीं आ पाते हैं क्योंकि सामाजिक रूप से वे अवांछनीय (un-biddnen) होते हैं।

फ्रायड ने हीन भावना (feeling of inferiority) का उल्लेख किया है जब हीन भावना अत्यधिक बढ़ती जाती है तो वह जंगल (complex) में परिवर्तित हो जाती है।

मनो विश्लेषण सिद्धान्त में व्यक्तित्व के विकास (personality development) का उल्लेख किया है। व्यक्तित्व विकास की तीन अवस्थाएँ होती हैं —

1. शैशवावस्था (Infantile)
2. अवस्था (Latent)
3. किशोरावस्था (Adolescent)

प्रथम अवस्था पाँच से छह (5-6 yrs) तक होता है। इसकी संतुष्टी मुख के माध्यम होता है, (Mouth) दूसरी अवस्था में व्यक्तित्व में संतुष्टी उन बातों से होती है जो सामाजिक विकास (social development) में सहायक होती है, तीसरी अवस्था में व्यक्तित्व में आज

केन्द्रित (self centered) हो जाता है तथा उनका ध्यान विपक्ष लिंगी (opposite sex) की ओर ज्यादा ज्यादा है।

इन्हीं तीन अवस्थाओं का अगर विकास समुचित नहीं होगा है तो व्यक्ति में मध्यस्थी (Neurotic) लक्षण देखे जा सकते हैं।

फ्रायड ने मानस विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं; लेकिन फ्रायड को प्लिविडों की आलोचना की कई पन्नु बाद में उन्होंने प्लिविडों को sex के अलावा एक general energy के रूप में विकसित किया है।